केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 118 शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

भाजपा की शिखा पाण्डेय को मिली बड़ी जिम्मेदारी



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शिखा पाण्डेय को भाजपा महिला मोर्चा के गोरखपुर क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के निर्देश पर उनके नाम की घोषणा हुई। शिखा पाण्डेय लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़ी हैं। वह महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा और पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय रही हैं।

नियुक्ति पर शिखा पाण्डेय ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि वह जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी। महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक मजबूत करना और अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ना उनकी प्राथमिकता होगी। कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने के लिए भी काम करेंगी।

नियुक्ति पर राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, गोसेवा आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, जिला प्रभारी सत्येंद्र सिन्हा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष राजेंद्र नाथ तिवारी, जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी , महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री रोली सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी, सुभाष यदुवंश, विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल, चंद्र प्रकाश शुक्ल, दयाराम चौधरी और रवि सोनकर सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

पट्टीदारों के बीच खूनी संघर्ष में मौत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के सोनहटी बुजुर्ग गांव में गुरुवार सुबह करीब नौ बजे पट्टीदारों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट में सिर में गंभीर चोट लगने से 50 वर्षीय लल्लन विश्वकर्मा की मौत हो गई। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना में मृतक के परिवार के चार अन्य सदस्य भी घायल हुए हैं। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

मृतक की पत्नी आरती देवी (45) के मुताबिक, गेहूं बीनने के दौरान कुछ कंकड़ उनके छत पर चले गए थे। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष से कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इस दौरान लल्लन विश्वकर्मा के सिर में गंभीर चोट लग गई। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मारपीट में मृतक की मां विद्यावती देवी, बेटी सपना (17), परिवार की सदस्य राज्य विश्वकर्मा (17) और पत्नी आरती देवी (45) भी घायल हो गईं। सभी का इलाज कराया जा रहा है। मामले में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पुलिस अधिकारी कुलदीप यादव ने बताया कि तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

सपा के रोड शो में मासूम की हत्या हुईः योगी ने अखिलेश पर किया तंज, कमजोर व्यक्ति आमने-सामने की लड़ाई नहीं लड़ता



संवाददाता– गोरखपुर।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा सपा का रोड शो था। एक नाबालिग लड़के को उन्होंने अपने रोड शो का शिकार बना दिया। उसकी हत्या कर दी गई। वह पढ़ाई करने आया था। आखिर उस 12–13 साल के मासूम की गलती क्या थी? गुरुवार को फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के शिलान्यास के दौरान योगी ने एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी पर भी निशाना साधा। कहा कि आजकल हैदराबाद का मौलाना भी बहुत मचल रहा है। यूपी चुनाव के परिणाम आने दीजिए, हैदराबाद का नाम भाग्यलक्ष्मीपुरम हो जाएगा।

बुधवार को गोरखपुर में अखिलेश यादव ने 20 किमी. लंबा रोड शो निकाला था। इसमें शामिल बुलडोजर ने लौटते वक्त बाइक को टक्कर मार दी। इसमें 13 साल के आर्यवर्धन सिंह की मौत हो गई। आर्यवर्धन भाजपा नेता ओंकार सिंह का बेटा था। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने बताया कि इस मामले में जेसीबी चालक, सपा नेता साधू यादव उर्फ साधू भईया, मनोज यादव, मृत्युंजय यादव उर्फ बिट्टू, योगेश यादव, चंद्र प्रकाश और 60 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

योगी ने गोरखपुर में प्रदेश की पहली फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया। 124 एकड़ में बनने वाली इस यूनिवर्सिटी पर 491 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

योगी ने कहा अखिलेश में हिम्मत नहीं कि सामने से लड़ाई लड़ें। कहा कि अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाइए। मैंने कहा कि एक बार आमने–सामने हो ही जाएं। आप भी लड़िए, हम भी लड़ते हैं। लेकिन, हिम्मत नहीं है। कमजोर व्यक्ति आमने–सामने की लड़ाई नहीं लड़ता, पीछे से वार करता है। इन कायरों का यही हाल है।

यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि जिस पूर्वांचल को कभी पिछड़ेपन और पलायन का दंश झेलना पड़ता था। आज वही क्षेत्र आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। हमारी सरकार जो शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी करती है। पूर्वांचल के पिछड़ेपन के लिए सबसे अधिक दोषी सपा और कांग्रेस की सरकारें थीं।

योगी ने कहा– महाराजा सुहेलदेव का स्मारक बनाने की फुर्सत सपा और कांग्रेस के पास कहां थी। इन्हें गाजी का मेला लगाना था। ये गाजी के अनुयायी हैं, महाराजा सुहेलदेव के अनुयायी नहीं थे। श्रृंगवेरपुर में भी उन्होंने गुलामी का चिह्न खड़ा कर दिया। वह कहते थे कि हटना चाहिए। मैंने कहा कि एक जगह रहके यह काम किया जा सकता है। आप नेता हैं, जानते हैं कि एक ही नाव की सवारी करनी चाहिए। पहले किसी की जमीन को कब्रिस्तान के नाम पर कब्जा करने के लिए सपा पैसा देती थी।

घायल राजमिस्त्री की मौतःहत्या की आशंका



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । नगर थाना क्षेत्र के रमवापुर कला गांव में गुरुवार सुबह घायल अवस्था में मिले 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पीआरवी टीम उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी कप्तानगंज ले गई थी, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। बुधवार शाम घर से निकले थे रामभवन

मृतक की पहचान रमवापुर कला गांव निवासी रामभवन पुत्र रामजग के रूप में हुई है। उनके भाई त्रिभुवन नगर थाने में चौकीदार हैं। त्रिभुवन के मुताबिक, रामभवन बुधवार शाम करीब चार बजे घर से निकले थे। इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। गुरुवार सुबह उनके घायल अवस्था में मिलने की सूचना मिली। पीआरवी टीम ने अस्पताल पहुंचाया। गुरुवार सुबह करीब छह बजे घायल रामभवन मिलने की सूचना पर पीआरवी 5508 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रामभवन राजमिस्त्री का काम करते थे। परिवार में पत्नी विद्यावती देवी और करीब 14 साल का बेटा रामनिवास है। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

थानाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिजनों की ओर से जताई गई हत्या की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

विधिक साक्षरता क्लबों के माध्यम से संविधान पर संवाद



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार विद्यालयों में विधिक साक्षरता क्लबों के माध्यम से 'संविधान संवाद' (संविधान पर संवाद) से संबंधित बैठक जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेंद्र कुमार–प्रथम के निर्देशन में दीवानी न्यायालय के सेन्ट्रल हॉल में किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों में नियुक्त संविधान क्लब के नोडल अध्यापकों ने भाग लिया।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विभिन्न विद्यालयों के नोडल अध्यापकों को विद्यालयों में आयोजित संविधान संवाद कार्यक्रम की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी तथा इस अवसर पर नोडल अध्यापकों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आगामी 26 नवम्बर को आयोजित होने वाले संविधान दिवस के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने जानकारी देते हुये बताया कि 26 नवम्बर को सुबह 9 बजे संविधान की प्रस्तावना व मूल कर्तव्यों के बारे में छात्रों से पाठन कराया जायेगा। सुबह 9 बजे से 9.20 बजे के बीच कानूनी सहायता एवं हेल्पलाइन 15100 के बारे में जानकारी दी जायेगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक जूनियर वर्ग (कक्षा 9 व 10) के छात्रों एवं सीनियर वर्ग (कक्षा 11 व 12) के छात्रों की संविधान से संबंधित क्विज प्रतियोगिता होगी। 12 बजे प्रधानाचार्य द्वारा लीगल कैडेट कार्प की घोषणा की जायेगा। 1 बजे दोनों वर्ग प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किये जायेंगें तथा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

इस अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल कौशल किशोर श्रीवास्तव व डिप्टी चीफ शैलजा पाण्डेय व असिस्टेन्ट नीतिश कुमार श्रीवास्तव द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता एवं परामर्श तथा नालसा हेल्पलाइन नं. 15100 की जानकारी दी गयी। विभिन्न विद्यालयों को लगभग 100 नोडल अध्यापकों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नें सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व नोडल अध्यापकों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सहयोग की अपील किया है।

रोड शो में मासूम की मौत पर गरमाई राजनीतिः अखिलेश ने जताया शोकः सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग



लखनऊ (आभा)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर में रोड शो के दौरान हादसे में भाजपा नेता के 14 वर्षीय बेटे आर्य वर्धन सिंह की मौत पर शोक जताया है साथ ही मामले पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि किसी मासूम की हादसे में हुई मृत्यु से हम सब आहत हैं और परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते है और अपने लोगों से उस परिवार से मिलकर उनकी हर संभव सहायता करने के लिए कह चुके हैं।

इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे पर राजनीति करनेवाले लोग याद रखें कि उन्होंने लखनऊ अग्निकांड में युवा मृतक की दुखी मां के साथ कैसा दुर्व्यवहार करते हुए उन्हें धमकी दी थी। शोक का नाटक करनेवालों का स्वांग जनता समझ चुकी है।

समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने गोरखपुर हादसे की सच्चाई सामने लाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रदेश के चौराहों पर लगाए गए कैमरों की मदद से घटना का पूरा घटनाक्रम सामने आ सकता है। सपा ने दावा किया कि सीसीटीवी सिस्टम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से भी जोड़ा गया है, जिससे जांच में मदद मिल सकती है।

पार्टी ने कहा कि फुटेज सामने आने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और किसकी क्या भूमिका थी। सपा ने यह भी आरोप लगाया कि एक साजिश के तहत घटना को पार्टी से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। उसने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी ने प्रदेश के डीजीपी और गोरखपुर पुलिस को भी टैग किया।

25 ग्राम रोजगार सेवकों को नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विकास खंड गौर में मानव दिवस सृजन की प्रगति कम मिलने पर खंड विकास अधिकारी ने 25 ग्राम रोजगार सेवकों को नोटिस जारी किया है। वहीं, 12 नवंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर भी उनसे जवाब तलब किया गया है। सभी को तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही नवंबर का मानदेय अग्रिम आदेश तक बाधित कर दिया गया है। कार्यालय खंड विकास अधिकारी, गौर की ओर से जारी नोटिस में मनरेगा योजना के तहत मानव दिवस सृजन की प्रगति की समीक्षा जनपद और विकास खंड स्तर पर प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और बैठकों के माध्यम से की जा रही है।

समीक्षा के दौरान विकास खंड की कई ग्राम पंचायतों में मानव दिवस सृजन की प्रगति काफी कम पाई गई। इसके अलावा 12 नवंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सेवक अनुपस्थित रहे। इसे गंभीरता से लेते हुए बीडीओ ने सभी के खिलाफ कार्रवाई की है। नोटिस पाने वालों में आमाभुइलापार की सुधा श्रीवास्तव, अड़लाकला की आशा देवी, असनहरा की निशा देवी, हरदी के रवि प्रताप निषाद, बढ़नी की सौरभ रानी, बैदोलिया अजायब के राजेश यादव, बलुआ चौबे की प्रतिभा देवी, बेलसड़ के सुरेश चन्द्र, बेलवरिया जंगल के दिनेश कुमार, बेनीपुर की निर्मला देवी, भौखरी की सरोज पाण्डेय, चकचई की किरन शुक्ला, कलिगढ़ा की गीता देवी, करमा के इमरान, कटया नौडीहा के विजय कुमार, आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 65 जोड़ों का विवाह





–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बहादुरपुर ब्लॉक परिसर में गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत समारोह हुआ। इसमें कुल 65 जोड़ों का विवाह कराया गया। इनमें बहादुरपुर ब्लॉक क्षेत्र के 58 और नगर पंचायत क्षेत्र के 7 जोड़े शामिल थे।

सभी जोड़ों की शादी की रस्में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ कराई गईं। वर–वधू के परिजन और रिश्तेदार भी समारोह में मौजूद रहे। मेहमानों के लिए खाने–पीने और दूसरी जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दुधराम थे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके वैवाहिक जीवन की कामना की। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए लाभकारी है। इसके जरिए जरूरतमंद परिवारों की बेटियों की शादी कराई जा रही है। भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह के साथ ही अनेक जन प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं– मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । आयुक्त सभागार में मण्डलायुक्त वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल के विभिन्न जनपदों में संचालित विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए।

मण्डलायुक्त ने विभागवार विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता बरतें तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा कराएं। विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं एवं परियोजनाओं में प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उनमें विशेष प्रयास कर कार्य की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित समीक्षा एवं स्थलीय निरीक्षण के माध्यम से कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त ने कार्यदायी संस्थाओं एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों से परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, भौतिक प्रगति, वित्तीय प्रगति तथा कार्य पूर्ण होने की निर्धारित समयसीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाएं तथा गुणवत्ता की जांच समय–समय पर सुनिश्चित की जाए। निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करें तथा कार्य में आने वाली बाधाओं का तत्काल समाधान कराएं। जिन परियोजनाओं में विभिन्न विभागों के स्तर पर समन्वय की आवश्यकता है, उनमें आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य को आगे बढ़ाया जाए, ताकि परियोजनाएं समय से पूर्ण हो सकें। मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़ी विकास योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का उपयोग जनसामान्य के हित में सुनिश्चित किया जाए तथा अधूरी परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की प्रगति में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी ने व निर्माण कार्य का संचालन उप निदेशक अर्थ एवं संख्या पूनम ने किया। बैठक में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, जिलाधिकारी संतकबीर नगर अनुज मलिक, जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर गौरव सिंह सोगरवाल, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, संतकबीर नगर के जयकेश त्रिपाठी, सिद्धार्थनगर के बलराम सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, वरिष्ठ सहायक सुहैल अहमद तथा कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण व विभिन्न विभागों के मंडलीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंचाई बन्धु की बैठक में सहायक अभियन्ता का दावा, वर्तमान में कोई भी नलकूप विद्युत दोष से बंद नहीं



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती, । , जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। उन्होने कहा कि रबी की फसल हेतु किसानों को सिंचाई जल, खाद व बीज आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराया जाय। शासन की मंशा है कि किसानों की आय में उच्चतर वृद्धि हो। इसके लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से गुणवत्तापरक बीज, उर्वरक, कृषि यंत्र, सिंचाई जल, कीटनाशक सहित अन्य समुचित संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होने पूर्व बैठक की कार्यवृति पर चर्चा के क्रम में नलकूप खण्ड के एई से उपलब्ध कराये गये नहरों के रोस्टर, माइनरों एवं रजवाहों पर कराये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा किया। बैठक का संचालन कर रहे सहायक अभियन्ता, सरयू नहर खण्ड–4, अजय कुमार ने बताया कि सभी माइनरों एवं 11 रजवाहों पर कार्य संचालित है। जनपद गोण्डा खण्ड पर किमी0 0.00 से 700 मीटर तक कार्य की रूपरेखा बनायी गयी है।

सहायक अभियन्ता नलकूप राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि जनपद में 668 नलकूप स्थापित हैं। वर्तमान में कोई भी नलकूप यांत्रिक अथवा विद्युत दोष से बंद नहीं है। 32 मोटर नलकूपों हेतु पहले से ही रिजर्व रखे गये हैं, जिससे कि स्थापित नलकूपों के खराब हुए मोटरों को तात्कालिक रूप से बदला जा सके। उपाध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया गया कि तीन दिवस में आदर्श नलकूपों की सूची बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को अवश्य उपलब्ध करायें।

लघु सिंचाई से उपस्थित प्रतिनिधि ने बताया कि 7200 निःशुल्क बोरिंग के लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 3045 निःशुल्क बोरिंग करा दी गयी है। इसके अलावा 3050 का चयन हो चुका है। इसकी कार्यवाही संचालित है। एडीएओ कृषि अम्बिकेश प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद में 25063 मीट्रिक टन यूरिया, 6403 मीट्रिक टन डीएपी, 7500 मीट्रिक टन एनपी तथा 22663 मीट्रिक टन एसएसपी प्राप्त हुआ है, जिसका वितरण समितियों के माध्यम से कृषकों को किया जा रहा है।

पशुपालन विभाग से मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 अरूण कुमार गुप्ता ने बताया कि कृषकों के लिए नन्द बाबा गोसंवर्धन योजना, मुख्यमंत्री गोसंवर्धन योजना, मिनी नंदनी पशुपालन योजना तथा पशु टीकाकरण विभाग द्वारा संचालित है। योजनाओं का लाभ किसानों को पात्रता के आधार पर चयनित कर दिया जा रहा है।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि हर्ष्या सरोज मिश्र, कप्तानगंज गुलाब चन्द सोनकर, सदर मो0 सलीम, रूधौली प्रतिनिधि कुलदीप मौर्या तथा विभागीय राजकुमार गौड़, संजय दीपक, सुजीत गुप्ता, नरेन्द्र कुमार, अभिषेक दूबे, आदित्य कुमार, दुर्गेश श्रीवास्तव, वीर बहादुर सिंह सहित संबंधित अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 नवम्बर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

आजमखान की रिहाई और चुनाव

उत्तर प्रदेश की सियासत बार–बार करवट बदल रही है। अगले साल के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच इसकी गूंज अब लखनऊ से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गलियारों तक साफ सुनाई देने लगी है। इस बदलते राजनीतिक परिदृश्य में इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक हालिया फैसला ऐसा मोड़ लेकर आया है, जिसने न केवल एक कद्दावर नेता को कानूनी राहत दी है, बल्कि सूबे के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव के लिए एक बड़ी सियासी संजीवनी का काम किया है। प्रवर्तन निदेशालय के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत ने उत्तर प्रदेश के चुनावी गणित को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है। सियासी गलियारों में यह चर्चा आम है कि अदालत की यह राहत जितनी आजम खान के व्यक्तिगत जीवन और कानूनी लड़ाई के लिए अहम है, उससे कहीं अधिक यह अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से आजम खान और उनका परिवार तमाम कानूनी उलझनों और मुकदमों के घेरे में था। सलाखों के पीछे रहने के कारण आजम खान की वह बुलंद आवाज, जो कभी सत्ता पक्ष से उठकर पूरे प्रदेश की सियासत को प्रभावित करती थी, कहीं न कहीं खामोश सी हो गई थी। उनकी गैरमौजूदगी में समाजवादी पार्टी के भीतर एक बड़ा शून्य पैदा हो गया था, खासकर उस मुस्लिम वोट बैंक के बीच, जिसे सपा का सबसे मजबूत आधार माना जाता है। अखिलेश यादव ने 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा देकर अपनी जमीन को मजबूत करने की भरपूर कोशिश की, लेकिन जमीनी स्तर पर अल्पसंख्यक समाज के बीच एक ऐसे आक्रामक और अनुभवी चेहरे की कमी लगातार खल रही थी, जो सीधे तौर पर उनकी बात रख सके। हाईकोर्ट द्वारा गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आजम खान को अंतरिम जमानत दिए जाने के बाद अखिलेश यादव की त्वरित प्रतिक्रिया और इसे इंडसंघ की जीत बताना यह साफ दर्शाता है कि सपा नेतृत्व इस फैसले को कितनी गंभीरता और उत्साह के साथ देख रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी वजह वह नई राजनीतिक चुनौती है, जो हाल ही में उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में उभरी है। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष व नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने हाथ मिलाकर इसामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठन किया है। 12 नवंबर को लखनऊ में हुए इस गठबंधन के ऐलान ने समाजवादी पार्टी के रणनीतिकारों की नींद उड़ा दी थी। ओवैसी लगातार अपनी रैलियों में अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोल रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि सपा केवल मुसलमानों के वोट लेती है, लेकिन उन्हें सत्ता और संगठन में वाजिब हिस्सेदारी नहीं देती। दूसरी तरफ, चंद्रशेखर आजाद को इस मोर्चे का मुख्यमंत्री चेहरा बनाकर ओवैसी ने दलित और मुस्लिम समीकरण साधने का एक ऐसा दांव चला है, जो सीधे तौर पर सपा के पीडीए फॉर्मूले में सेंध लगाने की क्षमता रखता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक की दर्जनों ऐसी सीटें हैं, जहां मुस्लिम और दलित मतदाताओं की संख्या निर्णायक भूमिका निभाती है। पिछले चुनावों में भी ओवैसी की पार्टी ने कई सीटों पर सपा के वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा की राह आसान की थी और अब चंद्रशेखर आजाद के साथ आने से यह खतरा कई गुना बढ़ गया है। ऐसे कठिन समय में, जब सपा इस बात को लेकर चिंतित थी कि ओवैसी और चंद्रशेखर की इस नई जुगलबंदी से होने वाले नुकसान को कैसे रोका जाए, तब हाईकोर्ट से आजम खान को मिली राहत अखिलेश यादव के लिए एक अचूक हथियार बनकर सामने आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में आजम खान ही वह इकलौता चेहरा हैं, जो असदुद्दीन ओवैसी के आक्रामक तेवरों और उनकी बयानबाजी की सीधी काट बन सकते हैं।

आजम खान का राजनीतिक कद और मुस्लिम समाज में उनकी स्वीकार्यता किसी से छिपी नहीं है। रामपुर से लेकर पूरे रुहेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आजम खान का सीधा प्रभाव है। जब वे जेल में थे, तो विपक्षी दल और खासकर ओवैसी इस बात को मुद्दा बनाते थे कि अखिलेश यादव ने अपने सबसे बड़े मुस्लिम नेता को उनके हाल पर छोड़ दिया है। हालांकि, हाल के दिनों में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव की आजम खान से हुई मुलाकातों ने इस बर्फ को पिघलाने का काम किया था, लेकिन अब आजम खान के बाहर आने की राह खुलने से सपा को मैदान में उतरकर जवाब देने वाला एक सेनापति मिल गया है। आजम खान अपनी बेबाक शैली और तीखे भाषणों के लिए जाने जाते हैं। जब वे चुनावी मंचों से बोलेंगे, तो न केवल सत्ताधारी दल पर निशाना साधेंगे, बल्कि ओवैसी के उन सवालों का भी करारा जवाब देंगे, जो वे सपा नेतृत्व से पूछ रहे हैं। मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने और उन्हें यह भरोसा दिलाने में कि उनका हित समाजवादी पार्टी के साथ ही सुरक्षित है, आजम खान की भूमिका बेहद निर्णायक होने वाली है। बीते कुछ समय से अल्पसंख्यक समुदाय के एक वर्ग में इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति थी कि क्या उन्हें पारंपरिक रूप से सपा के साथ बने रहना चाहिए या ओवैसी–चंद्रशेखर के नए विकल्प की ओर देखना चाहिए। आजम खान पर पिछले वर्षों में हुई कानूनी कार्रवाइयों और जेल यात्रा ने उनके प्रति समुदाय में गहरी सहानुभूति भी पैदा की है। सपा इस सहानुभूति को चुनावी ऊर्जा में बदलने की पूरी कोशिश करेगी। अखिलेश यादव ने पहले ही यह संकेत दे दिया है कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में लौटती है, तो आजम खान और उनके परिवार पर दर्ज तमाम कथित झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। यह बयान केवल एक वादा नहीं, बल्कि मुस्लिम मतदाताओं को भावनात्मक रूप से जोड़ने की एक सोची–समझी रणनीति का हिस्सा है।

इसके अलावा, आजम खान की सक्रियता से समाजवादी पार्टी के भीतर के आंतरिक समीकरण भी सुधरेंगे। कई स्थानीय मुस्लिम नेता, जो खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे या जो ओवैसी के मोर्चे की तरफ आकर्षित हो सकते थे, वे अब आजम खान की छत्रछाया में फिर से पार्टी के साथ मजबूती से खड़े नजर आएंगे। ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की जोड़ी ने जिस तरह से कम से कम 150 सीटों पर प्रभाव डालने का दावा किया है, उससे निपटने के लिए सपा को अपने सबसे अनुभवी रणनीतिकार की सख्त जरूरत थी। आजम खान न केवल वोटों के बिखराव को रोकने में मदद करेंगे, बल्कि बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी ऊंचा करेंगे। आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश की चुनावी बिसात पर बेहद दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। एक तरफ सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी अपने विकास और कानून–व्यवस्था के दावों के साथ तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जोर लगा रही है, तो दूसरी तरफ ओवैसी और चंद्रशेखर का सामाजिक परिवर्तन मोर्चा तीसरे विकल्प के रूप में अपनी जमीन तलाश रहा है। इन सबके बीच, समाजवादी पार्टी के लिए अपनी जमीन बचाए रखना और सत्ता तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती है।

विदेशी धरती से राहुल गांधी के जमीनी सवाल का प्रश्न

—अभिनव आकाश—



अरहर की दाल 140 रुपये, चीनी 60 रुपये, प्याज दोगुना होकर 50 रुपये और फुल क्रीम दूध 76 रुपये लीटर यानी डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर अफेयर्स के ताजा आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि पिछले एक साल में आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। एक तरफ देश के भीतर महंगाई की यह मार है, तो दूसरी तरफ सात समंदर पार अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में बैठकर राहुल गांधी ने एक नया सियासी ध मामाका कर दिया है। श्डेड इकोनॉमीश् के बाद अब उन्होंने भारत को श्डिजास्टर इकोनॉमीश् करार दिया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या वाकई महंगाई के ये आंकड़े किसी आर्थिक संकट का इशारा हैं, या फिर वैश्विक एजेंसियों के तेज विकास के दावों के बीच यह सिर्फ एक सियासी बयानबाजी है? कौन है इस महंगाई का असली विलेन और 2027 में आम आदमी को राहत मिलेगी या बढ़ेगी मुश्किल आज मुद्दा आपकी रोजमर्रा की छोटी–बड़ी जरूरतों से जुड़ा है, आपकी जेब से जुड़ा है, इसलिए एमआरआई का ये आर्थिक विश्लेषण आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

जून 2026 में महंगाई दर 5.3: थी, जो जुलाई में 5.5:, अगस्त में 6:, सितंबर में 7.7: और अक्टूबर में 23 महीनों के सबसे ऊंचे स्तर यानी 8. 9: पर पहुंच गई। पिछली बार के अनुभव और इस बार के रिकॉर्ड तोड़ एल नीनो को देखते हुए आशंका है कि महंगाई का यह दौर अगले पूरे साल तक खिंच सकता है। हालात डरावने जरूर हैं, लेकिन 2023–24 के मुकाबले इस बार सरकार के पास एक बड़ा सुरक्षा कवच यानी एक 'प्रोटेक्टिंग लेयर' मौजूद है। सरकारी गोदामों में अनाज का स्टॉक जरूरी न्यूनतम बफर स्टॉक से 3.3 गुना ज्यादा है। 1 अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, अकेले चावल का स्टॉक 55.5 मिलियन टन है, जो इस तारीख के हिसाब से अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। वहीं, 46. 3 मिलियन टन गेहूं का स्टॉक भी पिछले 5 साल में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा, सरकारी एजेंसियों के पास करीब 3.8 मिलियन टन दालों का भी स्टॉक है, जिसमें 1.6 मिलियन टन चना, 1 मिलियन टन अरहर (तूर) दाल और 1.2 मिलियन टन मूंग, मसूर और उड़द जैसी अन्य दालें शामिल हैं।

महंगाई से परेशान लोगों को आने वाले दिनों में एक और झटका लग सकता है। स्मार्टफोन, टीवी, फ्रिज और रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें बनाने वाली कंपनियां कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। कच्चे माल और दूसरी लागत में लगातार बढ़ोतरी से कंपनियों के मुनाफे पर दबाव है। इससे निपटने के लिए वे कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट में सामान की मात्रा भी कम कर सकती हैं। कंपनियां त्योहारों का सीजन खत्म होने के बाद बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर डालना चाहती हैं। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, हायर इंडिया के सीईओ सतीश एनएस ने बताया कि कच्चे माल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं। मांग बनाए रखने के लिए वे पूरी बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर नहीं डाल पा रही थीं। अब कंपनियों को उम्मीद है कि नई बढ़ोतरी से मुनाफे में सुधार होगा। रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां भी कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं। पिछले तिमाही में रिफाइंड ऑयल, चीनी, दूध, बिस्किट और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की कीमतें 7: तक बढ़ी हैं।

अर्थव्यवस्था को लेकर इस समय दो बिल्कुल अलग–अलग दृष्टिकोण देखने को मिल रहे हैं। एक तरफ अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों और वित्तीय संस्थानों के आंकड़े हैं, तो दूसरी तरफ विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे जमीनी सवाल हैं। अगर वैश्विक आंकड़ों की बात करें, तो आईएमएफ (प्ज्थ्), वर्ल्ड बैंक, एसएंडपी ग्लोबल (–ु ळसवइंस) और मूडीज (डवावकलरे) जैसी संस्थाओं ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगभग 6.9: से 7: के आसपास रखा है, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज मानी जा रही है। गोल्डमैन सैक्स से लेकर वॉल स्ट्रीट जर्नल तक की रिपोर्ट्स में क्रय शक्ति क्षमता (च्ब्ब्) के आधार पर भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे हाईवे, अस्पताल और डिजिटल नेटवर्क के विस्तार का जिक्र होता है। ये सभी अंतरराष्ट्रीय संस्थान हैं, जिनके आकलन वैश्विक आर्थिक मानकों पर आधारित होते हैं।

दूसरी तरफ, विपक्ष और राहुल गांधी देश की आर्थिक स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं जताते रहे हैं और इकोनॉमिक डिजास्टर्स जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उनके तर्क का आधार जीडीपी के बड़े आंकड़ों के बजाय बेरोजगारी, महंगाई, आय की असमानता और आम आदमी की घटती क्रय शक्ति जैसे मुद्दे होते हैं। विपक्ष का मानना है कि केवल मैक्रो–इकोनॉमिक ग्रोथ से हर वर्ग का भला नहीं हो रहा है। हालांकि, बहस का मुख्य बिंदु यह बनता है कि किसी भी लोकतंत्र में सरकार की नीतियों की आलोचना और विरोध का मंच क्या होना चाहिए। देश के भीतर संसद और सड़कों पर आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जब यही बातें विदेशी मंचों से कही जाती हैं, तो उस पर राजनीतिक विवाद खड़ा होना स्वाभाविक है। आलोचकों का मानना है कि विदेशी धरती पर देश की अर्थव्यवस्था को निराशाजनक रूप में पेश करने से निवेशकों के भरोसे और देश की छवि पर असर पड़ सकता है, जबकि विपक्ष इसे वैश्विक मंच पर अपनी बात रखने और लोकतांत्रिक संवाद का हिस्सा बताता है। कुल मिलाकर, एक तरफ वैश्विक एजेंसियों के उत्साहजनक विकास अनुमान हैं और दूसरी तरफ जमीनी चुनौतियों पर विपक्ष के सवाल, इन दोनों के बीच ही आज भारत की आर्थिक बहस चल रही है।

हरेक परिवार में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपने परिवार की ही बुराई करते रहते हैं दूसरों के सामने जाकर। हर परिवार में ऐसा होता है, परिवार में थोड़ी कमजोरियां भी है। बच्चा पढ़ने में अच्छा नहीं भी है। फिर भी कहते हैं कि नहीं–नहीं मेहनती है। रिजल्ट से क्या होता है? इसमें दूसरा टैलेंट है। मतलब अपने परिवार को प्रोटेक्ट करते हैं। अपने राज्य को प्रोटेक्ट करते हैं। अपने देश को प्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनको बड़ा मतलब मजा आता है अपने आपको अपने परिवार को अपने देश को नीचा दिखाने में। वो दूसरों के सामने जाकर नीचा दिखाते रहते हैं, भारत तो डेड इकोनमी है। भारत में इकोनमिक डिजास्टर है। भारत का शेयर मार्केट कोलैप्स करने वाला है। बिल्कुल पैसे मत लगाओ। भारत में आग लगने वाली है। भारत में लोग सड़कों पर उतरने वाले हैं। यही सब कहते रहते हैं। लेकिन इससे राहुल गांधी को फायदा क्या होता है? अपने देश की इस तरीके से जाकर बुराई करेंगे और जबकि देश तरक्की कर रहा है। सब लोग देख रहे हैं। हाईवे बन रहे हैं, अस्पताल बन रहे हैं, स्कूल बन रहे हैं। वो सब चीजें आप नजरअंदाज कर देते हैं। विरोध आपका देश तक में ठीक है। आप यहां प्रोटेस्ट कर रहे हैं। विदेशी जमीन पर जाकर इस तरीके के एजेंडे चलाना साबित क्या करना चाहते हैं?

यूपी चुनाव में योगी–अखिलेश के सियासी दांव



—अजय कुमार—



उत्तर प्रदेश की राजनीति में अगले वर्ष की शुरुआत के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बीच सीधा मुकाबला और तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनावी जंग को श्अखिलेश से बेहतर योगीश के नैरेटिव पर ले जाने की तैयारी कर रही है, जहां एक तरफ योगी सरकार के कामकाज और कड़क प्रशासनिक छवि को रखा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न दलों के बयानों के आधार पर देखें तो यह लड़ाई दो बिल्कुल अलग कार्यशैलियों, विचारधाराओं और राजनीतिक रणनीतियों का टकराव बन गई है। भाजपा और योगी समर्थकों का मानना है कि आमने–सामने की इस सियासी लड़ाई में योगी आदित्यनाथ के पास अपनी उपलब्धियां गिनाने के लिए कामकाज की एक लंबी फेहरिस्त है। योगी सरकार के समर्थक एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार, नए हवाई अड्डों, निवेश सम्मेलनों और अयोध्या व काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे सांस्कृतिक व बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को अपनी बड़ी सफलता के रूप में पेश करते हैं। इसके विपरीत, भाजपा नेताओं का आरोप है कि विकास के मोर्चे पर अखिलेश यादव सरकार का रिकॉर्ड सीमित रहा और वे केवल आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे या लखनऊ मेट्रो जैसे कुछ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स का ही जिक्र कर पाते हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी के समर्थक और स्वयं अखिलेश यादव इस दावे को खारिज करते हैं। उनका कहना है कि उनके शासनकाल में शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, डायल–100 पुलिस सेवा और लैपटॉप वितरण जैसी योजनाओं ने ही आधुनिक उत्तर प्रदेश की नींव रखी थी।

कानून–व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा इस पूरी राजनीतिक बहस के केंद्र में है। भाजपा की ओर से यह आरोप लगातार लगाया जाता रहा है कि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश यादव के शासनकाल में कानून–व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी, सपा नेताओं की गुंडागर्दी और जमीनों पर अवैध कब्जों की घटनाओं ने आम जनता को परेशान किया था और माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। आलोचकों के अनुसार, यह छवि आज भी अखिलेश यादव का पीछा नहीं छोड़ रही है। इसके ठीक विपरीत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्माफिया को मिट्टी में मिलानेश और भू–माफियाओं पर शिकंजा कसने की नीति को अपनी सरकार की सबसे बड़ी पहचान बनाया है। माफियाओं की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने योगी की छवि एक सख्त और निर्णायक प्रशासक की बनाई है, जिसे भाजपा श्सुरक्षा और सुशासनश के मॉडल के रूप में प्रचारित करती है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव और विपक्षी दल बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे असंवैधानिक बताते हैं और वर्तमान सरकार पर दलितों व अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार तथा फर्जी मुठभेड़ों के आरोप लगाते हैं। धार्मिक और सामाजिक समीकरणों के मोर्चे पर भी दोनों नेताओं की रणनीतियां स्पष्ट रूप से बंटी हुई दिखाई देती हैं। भाजपा और उसके समर्थक अखिलेश यादव पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हैं। उनका कहना है कि सपा की राजनीति एक विशेष वर्ग के वोट बैंक के इर्द–गिर्द घूमती है और अल्पसंख्यकों के सही–गलत हर कदम पर आंखें मूंद लेने की प्रवृत्ति ने बहुसंख्यक समाज में नाराजगी पैदा की है। इसके अलावा, राम मंदिर निर्माण के दौरान चंदा चोरी जैसे आरोपों को लेकर भाजपा समर्थक सपा पर हिंदू आस्था और धर्म को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप मढ़ते हैं। भाजपा का मानना है कि हिंदू वोटों को जातियों में बांटने के लिए ही अखिलेश यादव ने 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नारा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए पीडीए को श्पिरावार डेवलपमेंट अथॉरिटीश तक करार दिया है और आरोप लगाया है कि सपा की राजनीति केवल एक परिवार के विकास तक सीमित रही है।

हालांकि, अखिलेश यादव की इस पीडीए रणनीति को राजनीतिक गलियारों में एक सोची–समझी काट के रूप में भी देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतने के बाद सपा खेमे का उत्साह बढ़ा है और वह इसे अपने सामाजिक न्याय के फॉर्मूले की जीत मानता है। अखिलेश यादव का तर्क है कि भाजपा की श्80 बनाम 20श की राजनीति अब श्95 बनाम 5श में बदल चुकी है, जहां 95 प्रतिशत पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग अपने अधिकारों और आरक्षण की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं। वे योगी सरकार पर बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली जैसे बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदुत्व का सहारा लेने का आरोप लगाते हैं। वहीं, योगी आदित्यनाथ के समर्थक मानते हैं कि हिंदुत्व और विकास का उनका एजेंडा जातिगत राजनीति से कहीं ऊपर है। भाजपा का दावा है कि मुफ्त राशन, आवास योजना और स्वास्थ्य बीमा जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के समाज के हर वर्ग को मिला है, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की राजनीति कमजोर पड़ी है। योगी की कड़क प्रशासनिक शैली, धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और निवेश आकर्षित करने की नीतियों के सामने भाजपा समर्थक अखिलेश यादव को काफी पीछे मानते हैं। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की राजनीति आज दो स्पष्ट ध्रुवों पर खड़ी नजर आती है। एक तरफ योगी आदित्यनाथ का राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सख्त कानून–व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास का दावा है, तो दूसरी तरफ अखिलेश यादव का सामाजिक न्याय, पीडीए गठबंधन और सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने का अभियान है। आने वाले समय में जनता किसके दावों पर भरोसा करती है, यही तय करेगा कि लखनऊ की सत्ता की चाबी किसके हाथ में रहेगी।

कानून–व्यवस्था और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा इस पूरी राजनीतिक बहस के केंद्र में है। भाजपा की ओर से यह आरोप लगातार लगाया जाता रहा है कि 2012 से 2017 के बीच अखिलेश यादव के शासनकाल में कानून–व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब थी, सपा नेताओं की गुंडागर्दी और जमीनों पर अवैध कब्जों की घटनाओं ने आम जनता को परेशान किया था और माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। आलोचकों के अनुसार, यह छवि आज भी अखिलेश यादव का पीछा नहीं छोड़ रही है।

सियासी बिसात पर जातिवाद की लामबंदी



—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से सत्ता की चाबी रहे हैं। लेकिन नवंबर 2026 की सर्द हवाओं के बीच प्रदेश के सियासी गलियारों में एक नई गर्माहट महसूस की जा रही है। यह गर्माहट किसी एक राजनीतिक दल के दफ्तर से नहीं, बल्कि धार्मिक मंचों, व्यक्तिगत सुख–दुख के आयोजनों और बेबाक बयानों से निकल रही है। केंद्र में हैं कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और प्रतापगढ़ की कुंडा रियासत के दिग्गज नेता व जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया। हाल ही में कुंडा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की रामकथा के मंच से बृजभूषण शरण सिंह द्वारा राजा भैया के समर्थन में दिए गए बयान और उन्नाव कांड में सजायाफ्ता पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के पक्ष में खड़े होने के ऐलान ने एक बड़े राजनीतिक विमर्श को जन्म दे दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश में ठाकुर (क्षत्रिय) नेतृत्व राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर एक नई सामाजिक और राजनीतिक गोलबंदी कर रहा है?

इस पूरे घटनाक्रम की सबसे ताजा तस्वीर प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में देखने को मिली। कुंडा विधायक राजा भैया के संयोजन में आयोजित बागेश्वर महाराज की रामकथा में जब पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहुंचे, तो मंच का नजारा केवल ध गार्मिक नहीं रह गया। मंच से बृजभूषण शरण सिंह ने राजा भैया का हाथ पकड़कर भीड़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजा भैया का दबदबा पहले भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं के बीच दरार डालने की कोशिश करने वालों को भी कड़ा संदेश दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के लिए यह दृश्य बेहद महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया और सियासी गलियारों में इस बात पर बहस छिड़ी हुई थी कि पूर्वांचल और अवध की राजनीति में ठाकुरों का सबसे बड़ा चेहरा कौन है बृजभूषण शरण सिंह या राजा भैया? जनवरी 2026 में गोंडा में बृजभूषण शरण सिंह द्वारा आयोजित राष्ट्रकथा में जब राजा भैया नहीं पहुंचे थे, तब दोनों के बीच अघोषित प्रतिस्पर्धा की अटकलें लगाई गई थीं। लेकिन कुंडा पहुंचकर बृजभूषण ने न केवल उन अटकलों पर विराम लगाया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि वे राजा भैया को अपना सुख–दुख का साथी मानते हैं। इस मंच पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान जैसे नेताओं की मौजूदगी ने इस जमावड़े को और भी खास बना दिया।

कुंडा के कार्यक्रम के ठीक आसपास बृजभूषण शरण सिंह का एक और बयान सुर्खियों में आया, जिसने राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया। उन्नाव दुष्कर्म कांड में सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के परिवार को लेकर बृजभूषण ने खुले तौर पर कहा कि यदि सेंगर के परिवार से कोई भी व्यक्ति चुनाव मैदान में उतरता है, तो वे पूरी मजबूती के साथ उसके साथ खड़े होंगे और समर्थन करेंगे। इससे पहले भी जब सेंगर को कोर्ट से राहत या जमानत से जुड़ी खबरें आई थीं, तब बृजभूषण ने उनके समर्थन में बयान देते हुए कहा था कि सेंगर के खिलाफ उसी तरह षड्यंत्र रचा गया, जैसा उनके (बृजभूषण) खिलाफ रचा गया था। बृजभूषण का यह रुख कई मायनों में अहम है। कुलदीप सिंह सेंगर को भाजपा पहले ही पार्टी से निष्कासित कर चुकी है, और मुख्यध ारा के राजनीतिक दल इस मामले पर खुलकर बोलने से बचते हैं। ऐसे में भाजपा के ही एक दिग्गज पूर्व सांसद द्वारा सेंगर परिवार के लिए चुनावी समर्थन का ऐलान करना इस बात का संकेत है कि यह राजनीति पार्टी लाइन से हटकर बिरादरी और व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर आगे बढ़ रही है। यह बयान सीधे तौर पर उन्नाव और आसपास के क्षेत्रों के क्षत्रिय मतदाताओं को एक भावनात्मक संदेश देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में ठाकुर नेताओं की यह एकजुटता केवल बृजभूषण शरण सिंह और राजा भैया तक सीमित नहीं है। पिछले एक साल के भीतर हुए विभिन्न पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में पूर्वांचल से लेकर मध्य यूपी तक के कई प्रभावशाली ठाकुर चेहरे एक साथ नजर आए हैं।

कोहरे के कारण बाइकों में भिड़ंत, पांच युवकों की मौत, दो की हालत गम्भीर



संवाददाता—बलरामपुर। घना कोहरा और रात का सन्नाटा। बलरामपुर—उतरौला मार्ग पर बुधवार देर रात दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने ऐसी भिड़ंत हुई कि पांच परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए उजड़ गईं। उतरौला क्षेत्र के अक्सीबड़हरा गांव के पास हुए इस दर्दनाक हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मृतकों की उम्र 18 से 30 वर्ष के बीच थी। हादसे में दोनों मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटनास्थल पर दो टूटे हेलमेट और एक मृत बकरी भी मिली है।

एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब 11 बजे बलरामपुर–उतरौला मार्ग पर अक्सीबड़हरा गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत हुई। प्रारंभिक जांच में घने कोहरे के बीच दोनों मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर होने और कुछ पैदल राहगीरों के भी उसकी चपेट में आने की आशंका जताई गई है। हादसा इतना जबरदस्त था कि पांच लोगों की जान चली गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए उच्च चिकित्सा संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे में जान गंवाने वालों में उतरौला थाना क्षेत्र के बरदही निवासी गुफरान (18), बड़हरा खुर्द निवासी सलीम (20) और मोहम्मद फारूक (20), श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के चंद्रापुर चिताई निवासी रहमत (30) तथा सादुल्लानगर थाना क्षेत्र के छपरतलवा निवासी तौफीक (19) शामिल हैं। वहीं बड़हरा खुर्द निवासी मुजम्मिल खान (20) और नाहिद अली (18) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों घायलों को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया है।

हादसे की सूचना पर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मौके से टीवीएस स्पोर्ट और टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिलीं। दोनों के टूटे हेलमेट भी बरामद हुए हैं। सड़क पर एक मृत बकरी मिलने से दुर्घटना से जुड़े घटनाक्रम की जांच का एक और पहलू सामने आया है। हालांकि, बकरी की मौत हादसे के दौरान हुई या उसका दुर्घटना से कोई सीधा संबंध है, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए हैं। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि दोनों मोटरसाइकिलों पर कितने लोग सवार थे और पैदल कितने लोग चल रहे थे। एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की जांच के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

किसी ने अभी जिंदगी की दहलीज पर कदम रखा था तो कोई परिवार की जिम्मेदारियां संभालने की उम्र में था। किसी की उम्र महज 18 साल थी तो कोई 19 और 20 साल का था। बुधवार की रात उतरौला क्षेत्र के अक्सीबड़हरा के पास हुए सड़क हादसे ने पांच परिवारों से उनके अपने छीन लिए। दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में गुफरान (18), सलीम (20), रहमत (30), तौफीक (19) और मोहम्मद फारूक (20) की जान चली गई। सभी अलग–अलग गांवों के रहने वाले थे। एक ही हादसे में पांच लोगों की मौत की खबर से उनके गांवों में शोक की लहर फैल गई। घायलों मुजम्मिल खान (20) और नाहिद अली (18) की हालत गंभीर बताई गई है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। रात करीब 11 बजे बलरामपुर–उतरौला मार्ग पर घने कोहरे के बीच दोनों मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर हुई थी। एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह के मुताबिक, कुछ पैदल राहगीरों के भी इसकी चपेट में आने की आशंका है। हादसे में दो मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटनास्थल पर दो टूटे हेलमेट और एक मृत बकरी भी मिली है।

केंद्रों पर किसान की सुविधा का रखें ध्यान लापरवाही पर होगी कार्रवाई –डीएम



संवाददाता—महराजगंज। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने गुरुवार को नवीन मंडी महराजगंज में संचालित धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कर खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खाद्य विभाग की विपणन शाखा के महराजगंज प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ क्रय केंद्र सहित नेकेड के केंद्र का निरीक्षण कर धान खरीद में तेजी लाने का निर्देश दिया। हिदायत दी कि केंद्र पर किसी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे किसानों को तौल में प्राथमिकता दें। कोई किसान परेशान हुआ तो संबंधित जिम्मेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पाया कि खाद्य विभाग के महराजगंज प्रथम केंद्र पर अरूतियां निवासी किसान अम्बरीश कुमार पटेल का करीब 42 क्विंटल धान तौला जा रहा था। डीएम ने तौल प्रक्रिया देखी और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों के साथ विनम्रता और सहयोगात्मक व्यवहार किया जाए। डीएम ने केंद्र प्रभारियों को प्रतिदिन निर्धारित समय पर केंद्रों पर उपस्थित रहने और अधिक से अधिक किसानों से धान खरीद सुनिश्चित करने का भी कड़ा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खरीदे गए धान का उठान समय से संबंधित राइस मिलों को कराया जाए, ताकि केंद्रों पर धान का अनावश्यक भंडारण न हो। साथ ही बोरों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने, किसानों का जल्द सत्यापन कराने और पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी रखने का भी निर्देश दिया। डीएम ने किसानों से खाद्य एवं रसद विभाग के पोर्टल या यूपी किसान मित्र ऐप के माध्यम से पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य की धनराशि सीधे बैंक खाते में प्राप्त करने के लिए किसान अपने बैंक खाते को आधार से लिंक करवाएं। एनपीसीआई मैपिंग भी सुनिश्चित कर लें। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमित चौधरी, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी एसपी सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

डिप्टी आरएमओ अमित चौधरी ने बताया कि धान खरीद से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। किसान 1800 1800 150 और 7839565009 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा डीएम के मोबाइल नंबर 9454417546, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के नंबर 9454417617 तथा जिला खाद्य विपणन अधिकारी के नंबर 7839565008 पर भी संपर्क कर सकते हैं। डिप्टी आरएमओ अमित चौधरी ने बताया कि जिले में अब तक 102 क्रय केंद्रों के माध्यम से 537 किसानों से कुल 2416.186 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इस खरीद सत्र में शासन ने जिले के लिए 2.32 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। धान बेचने के लिए अब तक 11822 किसानों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें 9188 किसानों का सत्यापन पूरा हो चुका है।

असम रायफल में तैनात जवान की ट्रेन में बिगड़ी तबीयत, मौत

संवाददाता—देवरिया। भतीजी की शादी में हिस्सा लेने के लिए नागालैंड के ओखा से छुट्टी पर लौट रहे असम रायफल के जवान की तबीयत अचानक ट्रेन में बिगड़ गई। उपचार के लिए आरपीएफ ने तत्काल महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर जवान की मौत की सूचना के बाद परिवार में मातम छा गया।गोरखपुर जनपद के गुलरिया थाना के बनगही निवासी प्रदीप कुमार शर्मा (40) पुत्र बेचन शर्मा असम रायफल में तैनात थे। इस समय उनकी तैनाती नागालैंड के ओखा में थी।

उनकी भतीजी की शादी 24 नवंबर को है। इसलिए वह छुट्टी लेकर दीनापुर से ट्रेन पकड़ कर अपने घर आ रहे थे। रात को अचानक उनकी तबीयत ट्रेन में बिगड़ गई। बोगी के यात्रियों ने इसकी जानकारी आरपीएफ देवरिया को दी तो आरपीएफ जवानों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना जब घर पहुंची तो परिवार में मातम छा गया। परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे और देवरिया पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। शव देखते ही परिवार के लोग बेहोश हो जा रहे थे

ट्रक को ओवरटेक करने में ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकराई बाइक, इकलौते बेटे की मौत



संवाददाता—देवरिया। महुआडीह चौराहे के पास बृहस्पतिवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक जिला मुख्यालय पर कोचिंग पढ़ने जा रहा था। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान उसकी बाइक ट्रक से टकरा गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर वह सामने से आ रही धान लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली से भिड़ गई। आर्यन ट्रॉली के पीछे वाले बाएं पहिये की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर–ट्रॉली सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ट्रैक्टर–ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आर्यन ने हेलमेट पहन रखा था। पुलिस घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हादसे की वजह स्पष्ट हो सके।

एटीएम कार्ड बदलकर चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार, 23 एटीएम कार्ड, 34910 रुपएय चार पहिया वाहन बरामद

संवाददाता—गोण्डा। कोतवाली नगर पुलिस और साइबर सेल की टीम ने गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 34,910 रुपए नकद, अलग–अलग बैंकों के 23 एटीएम कार्ड, छह मोबाइल फोन, बरामद किया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी एटीएम के कार्ड स्लॉट में फेविक्विक लगा देते थे, जिससे ग्राहक का कार्ड मशीन में फंस जाता था। इसके बाद वे ग्राहक को फर्जी हेल्पलाइन नंबर लिखा विजिटिंग कार्ड देते थे। उस नंबर पर फोन करने पर गिरोह का एक सदस्य खुद को बैंक अधिकारी बताकर ग्राहक से दोबारा पिन डालने के लिए कहता था। इस दौरान पीछे खड़ा दूसरा आरोपी ग्राहक का पिन देख लेता था।

ग्राहक के एटीएम से चले जाने के बाद आरोपी चाकू, प्लास और पेचकस की मदद से फंसा हुआ कार्ड निकाल लेते थे। इसके बाद खाते से नकदी निकालते या ऑनलाइन खरीदारी करते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरोह ने ठगी की रकम से लखनऊ के सीएआरएस 24 से



कार खरीदी थी।

कोतवाली नगर क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी स्थित इंडियन बैंक के एटीएम में 24 अक्टूबर 2026 को नंद किशोर मिश्रा का कार्ड फंसा दिया गया था। इसके बाद उनके खाते से 48,934 रुपए निकाल लिए गए थे। वहीं, 12 नवंबर 2026 को फैजाबाद रोड स्थित एसबीआई के एटीएम से मो. साहिल खान के खाते से 90 हजार रुपए निकाल लिए गए थे। जांच के दौरान दोनों पीड़ितों को दिए गए फर्जी विजिटिंग कार्ड पर एक ही मोबाइल नंबर मिला।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने प्रयागराज, लखनऊ, अयोध्या, कानपुर और गोंडा समेत कई जिलों में ठगी की घटनाएं करना कबूल किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ऋषभ सिंह निवासी सहादतगंज, लखनऊ,य समीर उर्फ शेरा निवासी बिलरियागंज, आजमगढ़य अदनान खान निवासी प्रतापगढ़, हाल पता मुंबई, और दीपक उर्फ दीपू सिंह चौहान निवासी पहाड़िया, वाराणसी के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या, डकैती, लूट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

वोट बचाओ–देश बचाओ कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की चर्चा

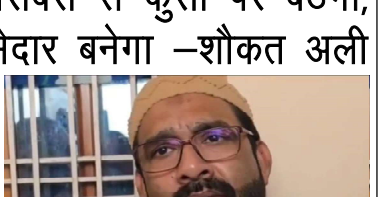


संवाददाता—महराजगंज। वोट बचाओ–देश बचाओ कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सिसवा विधानसभा स्थित कँप कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक आयोजित किया। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं कांग्रेस किसान नेता राजू कुमार गुप्ता ने कहा कि देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में आंदोलन चलाया जा रहा है। वोट की स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सिसवा विधानसभा संगठन प्रभारी एवं महिला नेत्री सोनी भारती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत बनाने और जनता के बीच सक्रिय रूप से पहुंचने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। 4 दिसंबर को इस कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर अशोक प्रजापति, भरत प्रजापति, सैयद जावेद, वेदव्यास मौर्य, शत्रुघ्न कसौधन, देवेश श्रीवास्तव सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अब्दुल अब बराबरी से कुर्सी पर बैठेगा, सत्ता में हिस्सेदार बनेगा –शौकत अली

संवाददाता—बहराइच। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में बहराइच में ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने आजाद समाज पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अब अब्दुल बराबरी के साथ राजनीति में हिस्सेदारी करेगा और सत्ता में भागीदार बनेगा। शौकत अली ने 26 नवंबर को संविधान दिवस पर लखनऊ में सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले आयोजित होने वाले एक संयुक्त कार्यक्रम में कई बड़े राजनीतिक एलान किए जाने के संकेत भी दिए हैं। कहा कि, 26 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में ऐसे एलान हो सकते हैं जो कई राजनीतिक दलों को झटका दे सकते हैं।

उन्होंने बताया कि आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम मिलकर प्रदेश की राजनीति में एक नया विकल्प देने की तैयारी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में गठबंधन की



रणनीति और भविष्य की राजनीतिक दिशा का खुलासा किया जाएगा। 2017 के विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए, शौकत अली ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि उस समय अखिलेश यादव के नेतृत्व में श्यूपी को यह साथ पसंद है श के नारे के साथ चुनाव लड़ने के बावजूद गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। यह भी दावा किया कि प्रदेश में पिछले 10 वर्षों से भाजपा की सरकार है और ऐसे में सपा–कांग्रेस का गठबंधन 2027 में भाजपा को सत्ता से बाहर करने में सफल नहीं होगा।

अपने गठबंधन के वोट समीकरण पर बात करते हुए शौकत अली ने कहा कि आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम दोनों का मजबूत जनाधार है। उन्होंने 20 और 20, कुल 40 का नारा देते हुए गठबंधन की चुनावी ताकत का दावा किया। उनके अनुसार, 2027 का विधानसभा चुनाव 2007 की तरह त्रिकोणीय मुकाबला वाला हो सकता है, जिसमें जिस दल या गठबंधन को 35 से 36 प्रतिशत वोट मिलेंगे, उसकी सरकार बनाने की संभावना अधिक होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता का समर्थन सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के साथ है।

इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलिः बोले– देश की एकता–अखंडता के लिए समर्पित किया जीवन

संवाददाता—देवरिया। गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल उर्फ रोशन ने कहा कि इंदिरा गांधी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके नेतृत्व में बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ। वहीं, 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का गठन हुआ।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर देश की अखंडता और संप्रभुता बनाए रखने के लिए काम किया। उनके नेतृत्व और दृढ़ फैसलों के कारण उन्हें आयरन लेडी के नाम से जाना जाता है। देश के विकास और राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के बताए रास्ते पर चलने और देश की एकता–अखंडता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अब्दुल जब्बार, जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, जिला महासचिव मार्कण्डेय मिश्रा, शिव शंकर सिंह, शहनाज जफर, रीता देवी, नागेंद्र शुक्ला, विजय बहादुर सिंह, सुभाष राय, रविन्द्र मल्ल, सत्य प्रताप मिश्रा, संदीप मल्ल, मानवेन्द्र तिवारी, जयप्रकाश धनगर, रत्नेश मल्ल पिंटू, जुलेखा खातून, मुकुंद भास्कर मणि, ऋषिकेश मिश्रा, हरिहर त्रिपाठी और धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय समेत पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता—गोण्डा। कांग्रेस भवन में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी की जयंती धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर अध्यक्ष सभासद शाहिद अली कुरैशी ने किया। कांग्रेसजनों ने सर्वप्रथम इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरैशी ने कहा कि इंदिरा गांधी सिर्फ एक प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि भारत की ताकत थीं। देश की एकता, अखंडता और गरीबों के हक के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। गोष्ठी में डॉ. सैयद अब्दुल मुजीब, सुकई भारती, हरिराम वर्मा, जानकी देवी, संतोष कुमार, प्रेमनाथ, छोटेलाल, राम नेग गिरी, जाकिर अली सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

भोजपुरी कलाकार राहुल को अखिल भारतीय हिंदू परिषद ने किया सम्मानित

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल विकास खंड के ग्राम सभा कटहरी स्थित शिव मंदिर परिसर में अखिल भारतीय हिंदू परिषद की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान उभरते भोजपुरी कलाकार राहुल गुप्ता को शील्ड, शॉल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके अभिनय क्षेत्र में उनके योगदान और जिले का नाम रोशन करने के प्रयास की सराहना की गई।अखिल भारतीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष गौरव दुबे ने कहा कि संगठन का उद्देश्य क्षेत्र के ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करना है, जो अपनी मेहनत, प्रतिभा और उपलब्धियों से क्षेत्र के साथ–साथ जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गुप्ता ने अभिनय के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाकर युवाओं के लिए प्रेरणा का कार्य किया है। सम्मानित राहुल गुप्ता ने अपने फिल्मी सफर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने भोजपुरी और हिंदी फिल्मों, वेब सीरीज तथा टीवी कार्यक्रमों में काम किया है। उनके अभिनय सफर में चुना, बिदिया, क्राइम पेट्रोल और सीआईडी जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। बताया कि उन्हें खेसारी लाल यादव, दिनेश लाल यादव निरहुआ, अरविंद उर्फ कल्लू, संजय दत्त, समर सिंह,रितेश पांडे सहित भोजपुरी, हिंदी और दक्षिण भारतीय कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। सम्मान समारोह में जय गोविंद वर्मा, मिथिलेश कुमार, राम नवल यादव, राज मद्धेशिया, नीतीश गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने राहुल गुप्ता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दरोगा पर उत्पीड़न का आरोप लगा टावर पर चढ़ा युवक

संवाददाता—देवरिया। जिले के मेहल थाना क्षेत्र के नरसिंहडाढ़ स्थित मोबाइल टावर पर गुरुवार को एक युवक दारोगा पर प्रताड़ना का आरोप लगा चढ़ गया। मनक लगने के बाद पुलिस के हाथ–पांव फूल गए। एक घंटे के थानाध्यक्ष के प्रयास के बाद युवक मोबाइल टावर से उतरा। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। नरसिंहडाढ़ गांव के रहने वाले जयनाथ यादव पुत्र स्व. रामजीत यादव की पत्नी कई दिनों से सोशल मीडिया के जरिये मईल थाने के एक दारोगा पर फर्जी में मुकदमे में फंसाने का आरोप लगाते हुए पोस्ट डाला। कई बार डीएम व अन्य अधिकारियों से भी दारोगा के खिलाफ शिकायत की। लेकिन संज्ञान नहीं लिया गया। इस बीच जयनाथ दोपहर को गांव में स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया और पुलिस पर प्रताड़ना करने का आरोप लगाने लगा। उसका कहना था कि पुलिस उसे बेवजह परेशान कर रही है। दो फर्जी मुकदमे उसके ऊपर दारोगा के कहने पर दर्ज कियए गया है। आज उसका यह आखिरी दिन है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विकास नाथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद युवक मोबाइल टावर से नीचे उतरा।

मुंडन संस्कार में आई छह साल की मासूम से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। जिले के चौक थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को रिश्तेदारी में आयोजित मुंडन संस्कार में शामिल होने आई छह साल की मासूम के साथ दरिंदगी हुई। कार्यक्रम में भोजन बनाने वाले कारीगर के साथ आए आरोपी ने बच्ची को बहला–फुसलाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। गंभीर हालत में मासूम का गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चौक क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को मुंडन संस्कार का कार्यक्रम था। इसमें दूसरे गांव से रिश्तेदारी की बच्ची अपने परिजनों के साथ आई थी। शाम को लोग भोजन कर रहे थे। इसी दौरान बच्ची लापता हो गई। परिजनों ने तलाश शुरू की। शाम करीब 7.30 बजे घर के दक्षिण तरफ पोखरे की ओर से बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। परिजन वहां पहुंचे तो बच्ची गंभीर रूप से घायल मिली। परिजनों को देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजन बच्ची को तत्काल सीएचसी जगदीर मिठौरा ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल और वहां से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। रात में पुलिस पीड़ित परिवार के घर पहुंची। गुरुवार सुबह फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

पीड़ित परिवार की तहरीर पर चौक पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी छोटेलाल चौधरी उर्फ दिलबहार चौधरी को गुरुवार को दरहटा गांव के खजुरिया मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 33 वर्ष है। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

जेसीबी की टक्कर से 14 वर्षीय छात्र की मौत मामले में पांच सपा नेताओं समेत 66 पर मुकदमा




संवाददाता–गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान दर्दनाक हादसे में भाजपा नेता ओंकार सिंह के 14 वर्षीय बेटे आर्यवर्धन सिंह की मौत मामले में पुलिस ने पांच सपा नेताओं समेत 66 पर एफआईआर दर्ज की है। परिजन का आरोप है कि रोड शो में शामिल तेज रफ्तार जेसीबी ने किशोर को टक्कर मार दी। हादसे के बाद जेसीबी चालक और आयोजन समिति के लोग मौके से भाग निकले।

आवास विकास कॉलोनी, कूनराघाट (झारखंडी) निवासी ओंकार सिंह भाजपा के चुनाव आयोग संपर्क विभाग के जिला सह–संयोजक हैं। उनका बड़ा बेटा आर्यवर्धन सिंह बुधवार (18 नवंबर) दोपहर करीब दो से ढाई बजे के बीच अपनी बहन समृद्धि को लेने के लिए महादेव झारखंडी गेट के पास मुख्य मार्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान समाजवादी पार्टी की रथ यात्रा में शामिल जेसीबी (यूपी 53ईटी 6053) ने उसे टक्कर मार दी। परिजन का आरोप है कि जेसीबी तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही थी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग चालक को पकड़ने के लिए दौड़े, लेकिन आरोप है कि आयोजन समिति से जुड़े लोग घायल किशोर को मौके पर छोड़कर भाग गए। इसके बाद अनुपम सिंह और अन्य राहगीरों की मदद से आर्यवर्धन को एम्स अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे की जानकारी मिलने पर परिजन और भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए उन्होंने झारखंडी मोड़ पर गोरखपुर–देवरिया मार्ग जाम कर धरना शुरू कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर करीब तीन किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। सूचना मिलने पर डीएम दीपक मीणा और एसएसपी डॉ. कौस्तुभ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद देर रात किशोर के शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

मृतक के पिता ओंकार सिंह की लिखित शिकायत पर एम्स थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार (19 नवंबर) तड़के करीब 2रू30 बजे प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। एफआईआर में जेसीबी के अज्ञात चालक के अलावा आयोजन समिति से जुड़े साधू यादव उर्फ साधु भइया, मनोज यादव, मृत्युंजय यादव उर्फ विट्ठू, योगेश यादव और चंद्र प्रकाश को नामजद किया गया है। इसके साथ ही 50 से 60 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक मोनू कुमार को सौंपी गई है। डीएम दीपक मीणा ने कहा कि मामले में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। झारखंडी गेट के पास स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग पर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

अखिलेश के रोड शो में बच्चे की मौत पर भड़के रवि किशन, बोले- चुनावी उन्माद में कुचला गया भविष्य

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में समाजवादी पार्टी की पीडीए की रथ यात्रा के दौरान हादसे में नाबालिग की मौत पर गोरखपुर सांसद रवि किशन ने कहा, उनके पिता भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता थे। हमारे साथ चुनाव में रहे। बहुत दुखद घटना है।भगदड़ में लोग जा रहे थे। जब वो बच्चा कुचला गया, किसी ने गाड़ी भी नहीं रोकी, बच्चा सड़क पर पड़ा रहा। कल लोगों ने क्या उदाहरण दिया, क्या छाप छोड़ी? राजनीति का ये स्तर? विरोधी क्या बताना चाहते हैं?...2017 के पहले, क्या होता था। उसका जीवित उदाहरण कल गोरखपुर की सड़क पर देखा गया. ..आज हम और मुख्यमंत्री योगी शाम को उस परिवार को मिलने जाएंगे। बृहस्पतिवार को पत्रकारों से बातचीत में रवि किशन ने कहा कि मृतक बच्चा नाबालिग था और पढ़ाई में अच्छा था। वह अपने माता–पिता के साथ रहता था। उसके पिता भाजपा के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि परिवार ने अपना एक होनहार बच्चा खो दिया है। यह केवल एक कार्यकर्ता के परिवार का नुकसान नहीं, बल्कि एक बच्चे और उसके भविष्य का अंत है।

सांसद ने आरोप लगाया कि रोड शो के दौरान हुई भगदड़ में बच्चा जेसीबी की चपेट में आ गया। इसके बावजूद वाहन नहीं रोका गया और जुलूस आगे बढ़ता रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सड़कों को इसलिए बनाया गया है कि उन पर लोगों को कुचला जाए? चुनाव जीतने और सत्ता हासिल करने के लिए इस तरह का हुड़दंग और उत्साह उचित नहीं है। रवि किशन ने कहा कि इस घटना से पूरे शहर में आक्रोश है। उन्होंने इसे गोरखपुर के लिए काला दिन बताया। सांसद के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ वह बृहस्पतिवार शाम को पीड़ित परिवार से मिलने जाएंगे। बच्चे का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया गया है और मामले में प्राथमिकी भी दर्ज हुई है। सपा नेता आजम खान की जेल से रिहाई के सवाल पर रवि किशन ने कहा कि इससे राजनीति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास और पारदर्शिता की राजनीति चल रही है। जनता अब जागरूक है और डिजिटल इंडिया के दौर में पहले जैसी स्थिति नहीं रही।

पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने के सवाल पर सांसद ने कहा कि एक बच्चे के जाने की भरपाई किसी मुआवजे से नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि बच्चे का कोई मोल नहीं होता। सरकार की ओर से परिवार की जितनी संभव होगी, मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री स्वयं परिवार से मिलने जा रहे हैं और वह भी उनके साथ रहेंगे।

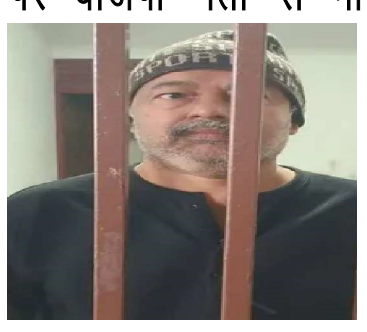
अपनी जान बचाएं आजम, हिम्मत है तो अखिलेश से मुसलमान को सीएम बनाने के बारे में कहें –राजभर




संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद सपा नेता आजम खां जेल से रिहा होकर रामपुर पहुंच गए हैं। रामपुर में उन्होंने जनता से कहा कि 2027 का चुनाव इंकलाब होगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए यूपी सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि आजम खान पहले तो अपनी जान बचाएं। उन्होंने जिंदगी भर गुलामी की है। उन्होंने कहा कि मैं आजम खान को चुनौती देता हूं कि अगर उनमें हिम्मत है तो अखिलेश यादव से यूपी का अगला मुख्यमंत्री किसी मुसलमान को घोषित करने की बात करें। अखिलेश यादव उन्हें पार्टी से निकालकर बाहर कर देंगे। डासना जेल से रिहा होने के बाद बुधवार की रात को रामपुर पहुंचे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां ने अपने पुराने तेवर दिखाए। उन्होंने देश की मौजूदा परिस्थितियों, सांविधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब यकीन हो गया है कि देश आजाद है, लेकिन संविधान कैद है। संविधान की आजादी के लिए सबको मिलकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने दावा किया कि 2027 में चुनाव नहीं, इंकलाब होगा। यह लड़ाई धर्म और जाति के नाम पर नहीं, बल्कि मुद्दों पर लड़ी जाएगी। साथ ही साफ किया कि उनका मकसद किसी से बदला लेना नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई लड़ना है। रामपुर में आवास के बाहर मीडिया से आजम ने कहा कि वह संविधान और कानून के लिए पहले भी मरने को तैयार थे, आज भी हैं और रहेंगे। देश में संविधान की रक्षा और उसकी गरिमा बनाए रखने की जरूरत है। सांविधानिक संस्थाओं की साख पर सवाल उठ रहे हैं। आज जिस तरह के कानून बनाए जा रहे हैं, उन पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। संस्थाओं को अपना स्तर और विश्वसनीयता बचाकर रखनी चाहिए।

लोकसभा और विधान परिषद चुनाव परिणामों पर कहा कि जिन सीटों पर जीत मिली, वे भी उन्हें बेमानी लगीं। बच्चों के लिए स्कूल और विश्वविद्यालय खोलने वाला भी माफिया हो सकता है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर मुर्गी, बकरी और भैंस चोरी करने वाला व्यक्ति ईडी का मुल्जिम हो सकता है तो विश्वविद्यालय बनाने वाले को भी निशाना बनाया जा सकता है।

सीएम योगी पर अभद्र टिप्पणी का विरोध करने पर बीजेपी नेता से मारपीट, आरोपी गिरफ्तार



संवाददाता–गोरखपुर। धर्मशाला बाजार के भरत मिलाप चौक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के बारे में अभद्र टिप्पणी करने का विरोध करने पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के महानगर महामंत्री दुर्गेश कुमार कोरी से मारपीट और जातिसूचक गाली देने का मामला सामने आया है।

दुर्गेश की तहरीर पर गोरखनाथ थाना पुलिस ने शांति भंग करने, सार्वजनिक स्थल पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने, धमकी देने और दलित उत्पीड़न के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी मनीष जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। जटेपुर दक्षिणी के कोरी टोला निवासी दुर्गेश कुमार कोरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार शाम करीब 6:15 बजे वह भरत मिलाप चौक पर बैठकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में नागरिकों को आमंत्रित कर रहे थे। इसी दौरान सुमेर सागर ताल के पास रहने वाले मनीष जायसवाल वहां पहुंचे। आरोप है कि वह मुख्यमंत्री और भाजपा के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगे। दुर्गेश ने विरोध किया तो मनीष ने उनका कालर पकड़ लिया और जातिसूचक गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

दुर्गेश के मुताबिक, मौके पर मौजूद भाजपा नेता और धर्मशाला बाजार के पार्षद बबलू प्रसाद गुप्ता उर्फ छठीलाल, पूर्व पार्षद शशांक शेखर त्रिपाठी, पूर्व पार्षद रविंद्र प्रताप सिंह और बूथ अध्यक्ष रवि गुप्ता मोनू ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद आरोपित को पकड़कर धर्मशाला पुलिस चौकी ले जाया गया और पुलिस के सिपुर्द कर दिया गया। गोरखनाथ थाना पुलिस ने दुर्गेश की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि आरोपित से पूछताछ चल रही है।

समुद्र पर श्रीराम का कोप, रामेश्वरम की स्थापना और अंगद की निर्भीक चुनौती ने मोहा दर्शकों का मन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सनातन धर्म संस्था, बस्ती द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव में आज बृहस्पतिवार को भक्ति, शौर्य, पराक्रम और अद्भुत संवादों से परिपूर्ण रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। इंडियन पब्लिक स्कूल, बस्ती एवं सावित्री विद्या विहार, बस्ती के बाल कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली अभिनय प्रतिभा से उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कहीं भगवान श्रीराम की करुणा और शरणागत वत्सलता ने दर्शकों को भावुक किया तो कहीं अंगद के अदम्य साहस और रावण के अहंकार के बीच हुए संवाद ने पूरे पंडाल में रोमांच भर दिया। कलाकारों के शानदार अभिनय पर दर्शकों ने बार–बार तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया और पूरा परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजता रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम की आरती एवं पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर रत्नेश मिश्र, वीरेंद्र सिंह,प्रेम कुमार श्रीवास्तव, नितिन चावला, सुभाष मणि त्रिपाठी, शिवम पाण्डेय, शाजिदा खातून, प्रदीप शुक्ल, ज्योत्सना त्रिपाठी, सौरभ श्रीवास्तव, अनुभव मिश्र, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, रीमा सिंह, शकुंतला, श्याम चन्द्र चौधरी, डॉ शैलेश सिंह, दयाभान सिंह, कर्नल के सी मिश्र, देवानन्द सिंह, हरीश त्रिपाठी, पंकज त्रिपाठी, अतुल चित्रगुप्त, अनुराग शुक्ल, अर्पित गौड़, अभय त्रिपाठी, आर्यन, बबलू मेहदी, अविनाश त्रिपाठी सहित दोनों विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इंडियन पब्लिक स्कूल, बस्ती के बाल कलाकारों ने विभीषण शरणागति, समुद्र पर सेतु निर्माण एवं रामेश्वरम स्थापना के प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण मंचन किया। मंच पर दिखाया गया कि जब लंकापति रावण माता सीता को वापस लौटाने की अपने भाई विभीषण की सद्बुद्धिपूर्ण सलाह को ठुकराकर उन्हें अपमानित करते हुए लंका से निष्कासित कर देता है, तब विभीषण समस्त मोह–माया त्यागकर भगवान श्रीराम की शरण में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम अपने स्वभाव के अनुरूप उन्हें प्रेमपूर्वक अपनाते हैं। इस प्रसंग ने दर्शकों को यह संदेश दिया कि भगवान के द्वार पर सच्चे मन और पूर्ण समर्पण के साथ आने वाले व्यक्ति को प्रभु कभी निराश नहीं करते।

इसके पश्चात समुद्र पार कर लंका पहुंचने के लिए भगवान श्रीराम द्वारा समुद्र देव से मार्ग देने की प्रार्थना का प्रसंग मंचित हुआ। तीन दिनों तक विनयपूर्वक प्रार्थना करने के बाद भी जब समुद्र देव प्रकट नहीं हुए, तब प्रभु श्रीराम के धैर्य का बांध टूटता है और वे धनुष पर बाण चढ़ाते हुए कहते हैं–षबिनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिनु होइ न प्रीति

भगवान श्रीराम के इस रौद्र स्वरूप और समुद्र पर कोप के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

दो नाबालिग लड़कियों को ले जाने के आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र से दो नाबालिग लड़कियों को बहला–फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को गुरुवार को मल्हवार तिराहे से पकड़ा गया। पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। त्रिलोकपुर थाने में 16 अक्टूबर को एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के मुताबिक, 15 अक्टूबर को कोहलगोनकोट के रहने वाले श्रवण कश्यप ने उनकी 15 साल की बेटी और पड़ोस में रहने वाली 12 साल की लड़की को बहला–फुसलाकर भगा ले गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस ने गुरुवार को दोनों आरोपियों को मल्हवार तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान श्रवण कश्यप पुत्र रामगोपाल और रोशन पुत्र रामअवतार उर्फ झीनू, निवासी कोहलगोनकोट के रूप में हुई है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक त्रिभुवन यादव, मुख्य आरक्षी अभिषेक सिंह और मुख्य आरक्षी विनीत शुक्ला शामिल रहे।

नौकरी के नाम पर 1.62 लाख ठगे

संवाददाता–अयोध्या। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर अयोध्या से एक व्यक्ति को उज्बेकिस्तान भेजा गया। वहां पता चला कि उसे वर्क वीजा के बजाय टूरिस्ट वीजा दिया गया है। नौकरी नहीं मिलने पर उसे किसी तरह घर लौटना पड़ा। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू की है। गोंडा जिले के तरबगंज क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी पवन कुमार के मुताबिक, अयोध्या के बेनीगंज क्षेत्र के कस्बा शाहजहांपुर निवासी सुनील कुमार मौर्य ने उन्हें उज्बेकिस्तान में चालक की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। इसके एवज में फोन–पे के माध्यम से 1.62 लाख रुपये लिए। विदेश पहुंचने पर उसे टूरिस्ट वीजा दिए जाने की जानकारी हुई। उनके परिवार ने कर्ज लेकर 25 हजार रुपये भेजे तो वह लौट सके।

मेडिकल, खाने और ठहरने में भी करीब 45 हजार रुपये खर्च हुए। देश लौटने के बाद उन्होंने रुपये वापस मांगे तो 20 हजार रुपये देकर शेष रकम एक सप्ताह में लौटाने का आश्वासन दिया गया। डेढ़ महीने बाद भी रुपये नहीं मिले। तकादा करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने 2.12 लाख रुपये वापस दिलाने और आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। इंस्पेक्टर पंकज सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करके जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद सं0–596/2024
न्यायालय– श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) कक्ष सं0 1 महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर
रामदास आदि
बनाम
तारामती आदि
1. तारामती उम्र करीब 67 वर्ष पत्नी स्व0 पीताम्बर उर्फ पितम्बर निवासिनी नगर पंचायत शोहरतगढ़ साबिक मोहल्ला अम्बेडकरनगर अब आर्यनगर तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरत जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादिनी प्रथम पक्ष
2. रमेश उम्र करीब 42 वर्ष 3. महेन्द्र उम्र करीब 30 वर्ष 4. राकेश उम्र करीब 24 वर्ष 5. छोटू उम्र करीब 19 वर्ष पुत्रगण पीताम्बर उर्फ पितम्बर निवासीगण नगर पंचायत शोहरतगढ़ साबिक मोहल्ला अम्बेडकरनगर अब आर्यनगर तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरत जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष
तारीख पेशी 10–01–2027

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **10–01–2027** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–928/2026
क0 वाद सं0– D20241763000169
धारा 30 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर जिला सिद्धार्थनगर
वसीउल्लाह
बनाम
सरकार
बावत ग्राम झकही तप्पा खानकोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
1. महताब आलम 2. अब्दुल मोईद 3. अब्दुल वाहिद पुत्रगण अब्दुल हलीम 4. अब्दुल करीम पुत्र अब्दुल खालिद समस्त निवासीगण ग्राम झकही तप्पा खानकोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 08–12–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान बन्दोवस्त चकबन्दी अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अपील नं0–661/2023
धारा 45 (1) जोच चक0 अधि0
प्रेम प्रकाश
बनाम
राजितराम आदि
साकिन नरहरपुर तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
1. राजितराम पुत्र भूलन 2. शिवपूजन 3. हरिद्वार पुत्र बैशाखी साकिन नरहरपुर तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 09–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–383/2026
अवधेश कुमार उर्फ अवधेश वर्मा
बनाम
सुशीला आदि
1. सुशीला आयु करीब 48 साल पत्नी प्रेमचन्द साकिनान थरूवापुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. मोहम्मद शाबान आयु लगभग 30 साल पुत्र मुश्ताक खान साकिन तिरूखा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 02–02–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 02 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–405/2024
दिलीप कुमार
बनाम
राम सुरेमन आदि
1. राम सुरेमन उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व० दयाराम 2. संदेश कुमार उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र स्व० रामसुख 3. पीयूष कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र स्व० रामसुख 4. श्रीमती सरोज उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी स्व० रामसुख 5. जितेन्द्र उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व० राम सुमिरन 6– बलराम उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व० राम सुमिरन निवासीगण साकिन सरैया अतिबल, तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
7. प्रदीप कुमार उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र स्व० मंगल साकिन सरैया अतिबल, तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा, तहसील हरैया, जिला बस्ती
– प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 11–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–780/2024
सुवाष चन्द
बनाम
विद्यानेवास आदि
1. विद्यानेवास पुत्र श्री मथुरा प्रसाद 2. अनिरूद्ध पुत्र श्री अम्बिका प्रसाद निवासीगण ग्राम कोड़रा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 23–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज बस्ती (जू०, डि०) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद संख्या– 289/2026
राम पियारे–सायल
1. राम पियारे उम्र 70 वर्ष पुत्र सीताराम 2. श्रीमती राजपति उम्र लगभग 67 साल पत्नी राम पियोर साकिनान मौजा–चक्रमेड़री पो०–नन्दनगर तप्पा–सिकन्दरपुर, परगना अमोढ़ा तहसील–हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 20–11–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 20–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज बस्ती (जू०, डि०) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद संख्या– 257/2026
जगराम निषाद–सायल
1. जगराम निषाद उम्र लगभग 60 साल पुत्र अयोध्या प्रसाद निषाद निवासी अस्पताल चौराहा, मुरलीजोत पुरानी बस्ती पोस्ट व थाना पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील वो जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–11–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 20–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com